पेरिस ओलंपिक : अमेरिकी महिला तैराक कैटी ने लारिसा के रिकार्ड की बराबरी की

अब तक ओलंपिक में जीत चुकी हैं 9 स्वर्ण पदक

पेरिस।

अमेरिका की महिला तैराक स्वीमर कैटी लेडेकी ने पेरिस ओलंपिक खेलों में दो स्वर्ण जीतकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। कैटी के अब ओलंपिक में 9 स्वर्ण हो गये हैं। इसके साथ ही उन्होंने ओलंपिक के महिला वर्ग में सबसे अधिक 9 स्वर्ण जीतने के लारिसा लातयनीना के रिकॉर्ड की बराबरी की है। लारिसा ने साल 1956 और 1960 के ओलंपिक में तब के सोवियत संघ की ओर से जिमनास्टिक में 9 स्वर्ण जीते थे। वहीं कैटी ने साल 2012 से अब तक के अपने ओलंपिक केरियर में 9 स्वर्ण सहित कुल 14 पदक जीते हैं। इसी के साथ ही कैटी अपने ही हमवतन माइकल फेल्प्स व मार्क स्पिट्ज जैसे तैराकों के क्लब में शामिल हो गयी है।

फ़ेल्प्स के बाद चार ओलंपिक में एक ही इवेंट में स्वर्ण जीतने वाली कैटी दूसरी तैराक है। उसने 2012 के लंदन ओलंपिक में 800 मीटर महिला फ्रीस्टाइल इवेंट में भी स्वर्ण जीता था। इसके अलावा 2016 के रियो, 2020 के टोक्यो और 2024 के पेरिस ओलंपिक में भी उसे स्वर्ण मिला था। पेरिस ओलंपिक में कैटी ने 800 और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल इवेंट में स्वर्ण, 4 गुणा 200 फ्रीस्टाइल में रजत और 400 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक जीता था। ओलंपिक तैराकी में अब तक कैटी से ज्यादा पदक अमेरिका के ही फेल्प्स के नाम हैं। फेल्प्स ने 23 स्वर्ण सहित 28 पदक जीते हैं। ने ही जीते हैं। अमेरिका के मेल स्वीमर मार्क स्पिट्ज और सी ड्रेसल ने भी ओलंपिक तैराकी इवेंट में 9 स्वर्ण जीते हैं। स्पिट्ज ने 11 और ड्रेसल ने 10 मेडल जीते हैं.

कैटी अब 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक में भी उतरेंगी। उन्होंने पेरिस ओलंपिक के पहले कहा था, 'अपने देश में होने वाले ओलंपिक में उतरने का मौका खास होता है. इस समय मैं निश्चित रूप से 2028 के ओलंपिक में भाग लेने के बारे में सोच रही हूं। भले ही मैं रिले इवेंट में भाग लूं, लेकिन ऐसा करना चाहती हूं।'

डुप्लांटिस ने नौवीं बार स्वर्ण जीतकर बनाया रिकार्ड

सेंट डेनिस। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नौवीं बार स्वर्ण पदक जीता है। डुप्लांटिस ने इस मुकाबले में 6.025 मीटर की कूद लगाकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। इस एथलीट ने ओलंपिक खेलों में पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। डुप्लांटिस के इस मैच में स्वीडन के राजा और रानी भी उपस्थित थे। ये एथलीट लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर और एक सेंटीमीटर के अंतर से नौवीं बार रिकॉर्ड तोड़कर अब महान पोल वॉल्ट खिलाड़ी सर्गेई बुबका के काफी करीब पहुंच गया है। डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में इससे पहले भी 2019 में 6.17 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया, और 2020 में इस रिकॉर्ड को बढ़ाकर 6.18 मीटर का रिकार्ड बनाया था। 2020 टोक्यो ओलंपिक में उन्हें उन्होंने 6.02 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीते थे। उन्होंने 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पोल वॉल्ट इवेंट में स्वर्ण पदक जीते।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई लाठीखेल प्रतियोगिता में बंगाल के श्रीजीत ने जीते तीन पदक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के श्रीजीत पाल ने 4-5 अगस्त 2024 को थिम्फू, भूटान में आयोजित *द्वितीय दक्षिण एशियाई लाठीखेल प्रतियोगिता* में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। श्रीजीत पाल ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता में कई दक्षिण एशियाई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपने-अपने देशों के लिए पदक जीते। श्रीजीत पाल के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल पश्चिम बंगाल बल्कि पूरे भारत को गर्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि ने लाठी खेल के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं। यह प्रतियोगिता भूटान की राजधानी थिम्फू में आयोजित की गई थी, जहां विभिन्न आयु और वजन वर्गों में खिलाड़ियों ने भाग लिया। श्रीजीत पाल ने अपने अद्वितीय कौशल और धैर्य से स्वर्ण और रजत पदक जीते, जिससे उनकी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रमाण मिला है। श्रीजीत पाल की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है। इस सफलता के बाद लोगों को उम्मीद है कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करते रहेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के नये बल्लेबाजी कोच बने इमरान खान

केप टाउन। पूर्व क्रिकेटर इमरान खान दक्षिण अफ्रीका के नये बल्लेबाजी कोच होंगे। इमरान के पास केवल एक मैच का अनुभव है,ऐसे में उन्हें कोच बनाये जाने से सभी हैरान हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा कि इमरान को नया बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। इस क्रिकेटरने साल 2009 में एक टेस्ट मैच खेला था। वह पिछले पांच साल से डॉल्फिस टीम के कोच थे। इमरान अभी अफ्रीकी टीम के साथ वेस्टइंडीज दौरे पर हैं। वहीं टीम के बल्लेबाजी कोच एश्वेल प्रिंस निजी कारणों से इस दौरे से बाहर हैं। इमरान डॉल्फिस के कोच के रूप में काफी सफल रहे हैं। साल 2020-21 और 2022-23 में उनके कोच रहते हुए टीम ने एक चार दिवसीय टूर्नामेंट जीता था। इसके अलावा 2020-21 के एकदिवसीय कप में उनकी टीम संयुक्त रूप से विजेता रही थी। इसके अलावा उनकी टीम तीन बार सीएसए टी-20 चैलेंज के फाइनल में पहुंची थी। इमरान के कार्यकाल के दौरान ही कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बना पाये हैं। इसने कीगन पीटरसन,केशव महाराज, सारेल ईवी जैसे खिलाड़ी शामिल है। अपने करियर के दौरान इमरान को टेस्ट प्रारुप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता था। उन्होंने 161 प्रथम श्रेणी मैचों में 9367 रन बनाए थे। इसमें 20 शतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने 121 लिस्ट ए और 51 टी-20 मैच भी खेले थे।

इमरान ने कहा कि मैं केजेडएन क्रिकेट यूनियन को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। इस यूनियन के लिए कोचिंग करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही है।

पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली बीमार, चलने में भी हो रही परेशानी

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रहे विनोद कांबली का एक ऐसा वीडियो आया है जिसमें वह ठीक से चल भी नहीं पा रहे हैं। सोशल मीडिया में वायरल इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कांबली एक बाइक के पास खड़े हैं। वे कुछ सेकंड वहां खड़े रहते हैं। फिर अचानक लड़खड़ाने से लगते हैं। इस पर वहां खड़ा व्यक्ति उन्हें सहारा देता है। कुछ और लोग सहारे के लिए आगे बढ़ते हैं। इसके बाद दो व्यक्ति कांबली को सहारा देकर वहां तक पहुंचाते हैं, जहां उन्हें जाना होता है। अब इस पर लोगों की अलग-अलग तरीके की प्रतिक्रिया आयी है। कई लोगों का मानना है कि कांबली काफी बीमार हैं जबकि कुछ लोगों ने कहा कि उन्होंने काफी शराब पी हुई है, इसी कारण वह नशे के कारण चल नहीं चल पा रहे। एक व्यक्ति ने लिखा कि कांबली को देखकर यह नहीं लग रहा कि वे नशे हैं। हां, वे बीमार हो सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक भाला फेंक प्रतियोगिता

नीरज चोपड़ा ने पहले ही प्रयास में फाइनल के लिए किया क्वालिफाई

पेरिस।

भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नीरज ने पहले ही प्रयास में ग्रुप बी में 89.34 के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बनायी। वहीं भारत के अन्य भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने 80.21 मीटर के साथ समापन किया। उन्होंने पहले प्रयास में 80.73 का थ्रो फेंका था और दूसरे में फाउल किया इस कारण वह क्वालीफाई नहीं कर पाये। भाला फेंक मुकाबला दो चरणों ग्रुप और खिताब के लिए होता है। ग्रुप चरण में 84 मीटर का थ्रो भी क्वालीफाई करने के लिए मान्य होता है, जबकि शीर्ष 12 खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।

दोनों ही खिलाड़ियों को अलग अलग ग्रुप में रखा गया है। पहले 16 एथलीट के ग्रुप में शामिल जेना फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। ऐस में अब सभी की उम्मीदों टोक्यो आलंपिक के स्वर्ण विजेता नीरज चोपड़ा पर लगी हैं। नीरज दूसरे ग्रुप में भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों में पहले स्थान पर थे।

पहले ग्रुप में भारत के हाथ नाकामी मिली। क्वालिफिकेशन में जेना 84 मीटर का मार्क हासिल करने में नाकाम रहे। उनको पहले ही दौर से बाहर होना पड़ा। पेरिस ओलंपिक 2024 में जैवलिन थ्रो इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में किशोर जेना ने पहला थ्रो 80.73 मीटर का फेंका जबकि दूसरा थ्रो फाउल हो गया. इसके बाद तीसरे थ्रो और आखिरी थ्रो में वह 80.21 मीटर तक ही भाला फेंक पाए।

नीरज के अलावा पाकिस्तान के उनके प्रतिद्वंद्वी अरशद नदीम ने भी पहले

ही प्रयास में कमाल का प्रदर्शन किया और 86.59 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वलिफाई कर लिया।

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट सेमीफाइनल में पहुंची

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। विनेश ने क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की ओकसाना लिवाच को 7-5 से हराया। इसए मुकाबले में विनेश शुरुआत से ही हावी विनेश ने शुरु में ही 4 अंक हासिल किए। इसके बाद से ही वह लगातार हावी रहीं। विनेश ने जीत से अपना अभियान शुरु किया है। विनेश ने मौजूदा चैम्पियन जापान की युवी सुसाकी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। विनेश इस मुकाबले में अंतिम मिनट में 0-2 से पीछे हो गयीं थी पर इसके बाद उन्होंने जबदस्त वापसी करते हुए अंतिम 30 सेकंड में बाजी पलट दी। विनेश को 50 किलो वर्ग फ्रीस्टाइल कुश्ती में कठिन ड्रॉ मिला है। इसमें उनका पहला ही विश्व की नंबर एक सुसाकी से हुआ। इसमें विनेश ने अपनी प्रदर्शन से विरोधी खिलाड़ी को पटखनी दे दी। इससे तय है कि विनेश का लक्ष्य पदक जीतना है। विनेश और उनकी विरोध खिलाड़ी के बीच शुरुआत में कड़ा मुकाबला हुआ। पहले दौर में सुसाकी को एक अंक मिला। विनेश को आक्रामक रुख नहीं अपनाने के कारण रैफरी ने चेताया था ऐसे में 30 सेकंड में उन्हें हमला करना था पर वह नहीं कर पायीं। ऐसे में विरोध पहलवान को अंक मिल गया।

निशा दहिया को जानबूझकर कोरियाई खिलाड़ी ने घायल किया : राष्ट्रीय कोच

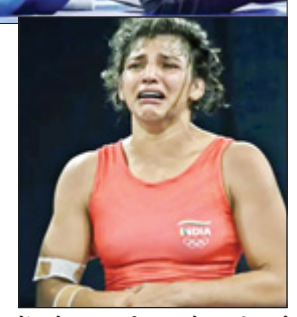

पेरिस।

भारतीय टीम के राष्ट्रीय कोच वीरेंद्र दहिया ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में महिला पहलवान निशा दहिया को साजिश कर घायल किया गया है। इसी कारण निशा क्वार्टर फाइनल मैच हार गईं। कोच के अनुसार निशा एक समय क्वार्टर फाइनल में विरोधी उत्तर कोरियाई खिलाड़ी से 8-2 से आगे चल रही थी। इसके बाद जब उसे चोट लगी तो मांगने पर भी चिकित्सा सहायता नहीं दी गयी। इसी कारण वह अंतिम क्षणों में मुकाबला हार गई। कोच दहिया ने कहा, ''उसे जानबूझकर चोटिल किया गया। हमने देखा था कि कलाई के जोड़ के पास उस पर हमला बोला गया। इसी कारण उसके हाथ से पदक निकल गया। '' कोच ने कहा, ''जिस तरह से निशा ने शुरुआत की थी, पदक उसको मिलना था पर उसे धोखेबाजी कर छीन लिया गया। निशा रक्षण और जवाबी हमले दोनों में बेहतर थी उसने एशियाई क्वालीफायर में पहले भी इस पहलवान को हराया था।''

पहले दौर में ही निशा ने उत्तर कोरिया की सोल गम पर बढ़त बना ली थी। वहीं दूसरे दौर में जब वह उतरी तो अंक लेकर बढ़त को और बड़ा कर लिया। इसी दौरान वह चोटिल हो गई उस समय वह 8-2 से आगे चल रही थी। तब उन्होंने चिकित्सा सहायता की अपील की पर नहीं मिली। ऐसे में भयंकर दर्द के बाद भी वह मैदान पर जमी रही।

सीए के सीईओ निक हॉकले ने की अपना पद छोड़ने की घोषणा

नई दिल्ली।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉकले ने घोषणा की है कि वह आगामी सत्र के बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। पिछले 13 वर्षों से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से जुड़े हॉकले ने जून 2020 में सीए के अंतरिम सीईओ के रूप में पद संभाला था। इसके 11 महीने बाद स्थायी सीईओ बनाए गए थे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी विज्ञप्ति में हॉकले ने कहा, यह एक कठिन निर्णय था। हालांकि एक ब्लॉकबस्टर ग्रीष्मकाल के वादे के बाद और हमारी पांच साल की रणनीतिक योजना अच्छी तरह से आगे बढ़ी है, यह सही समय है कि मैं आगे बढ़ूं और नई चुनौती लूं। बोर्ड के पास अपने अगले सीईओ को खोजने के लिए पर्याप्त समय है ताकि वर्तमान में मौजूद मजबूत नींव पर काम किया जा सके।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि निक ने बोर्ड को सलाह दी थी कि सीईओ के रूप में उनकी अगली ग्रीष्म ऋतु अंतिम होगी। बेयर्ड ने कहा कि सीईओ के रूप में, निक ने महामारी के दौरान अभूतपूर्व चुनौती के दौर में खेल को संभाला और महत्वपूर्ण विकास और स्थिरता प्रदान की। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि निक कहते हैं, उनका पूरा ध्यान हमारे प्रशंसकों, खिलाड़ियों, प्रसारकों, साझेदारों और पूरे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक और सफल ग्रीष्मकाल प्रदान करने पर है और अगले वर्ष जब वह पद से हटेंगे तो उनकी विरासत और उपलब्धियों का जश्न मनाने का समय होगा। बेयर्ड ने कहा कि निक के निर्णय का समय बोर्ड को एक सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने की अनुमति देता है और हम शीघ्र ही उनके उत्तराधिकारी को खोजने और नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। हॉकले के मार्च 2025 के अंत तक पद छोड़ने की उम्मीद है या संभवत: उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया के आधार पर बाद में भी पद छोड़ सकते हैं।

उपलब्धियों से भरा कार्यकाल- हॉकले को जून 2020 में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया था और फिर ग्यारह महीने बाद स्थायी सीईओ बनाया गया। उनके कार्यकाल के दौरान महिला और पुरुष दोनों टीमों ने टी20 और वनडे वर्ल्ड कप जीता और पुरुष टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की भी विजेता बनी। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 1988 के बाद 2022 (24 वर्षों बाद) में पहली बार पाकिस्तान का दौरा किया। हॉकले 2012 में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से जुड़े थे।

साउथ अफ्रीका टी20 लीग में खेलेंगे दिनेश कार्तिक, पार्ल रॉयल्स के साथ किया करार

दिनेश कार्तिक साउथ अफ्रीका की टी20 लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनेंगे

केप टाउन।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर व बल्लेबाज दिनेश कार्तिक अगले साल साउथ अफ्रीकी टी20 लीग (एसए20) में खेलेंगे। रॉयल्स स्पोर्ट्स ग्रुप के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी पार्ल रॉयल्स ने मंगलवार को सीजन-3 के लिए अपने सबसे नए विदेशी खिलाड़ी के रूप में दिग्गज भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को शामिल करने की घोषणा की है। कार्तिक साउथ अफ्रीकी टी20 लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होंगे।

हाल ही में 39 वर्षीय बल्लेबाज कार्तिक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन 2024 के बाद खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था, लेकिन अब उन्होंने साउथ अफ्रीकी टी20 लीग में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलने का फैसला किया है। कार्तिक का फ्रेंचाइजी में स्वागत करते हुए रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने कहा कि दिनेश ने सफेद गेंद के क्रिकेट में भारत के लिए अच्छा खेलें हैं। उनका समृद्ध अनुभव सीज़न 3 के लिए हमारी टीम को मजबूत बनाने में योगदान देगा। वह जिस तरह से खेल के प्रति अपना दृष्टिकोण रखते हैं, उसके कारण वह हमेशा लीगों में प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के लिए एक बड़ी संपत्ति साबित हुए हैं, इसलिए यह हमारे लिए एक रोमांचक अनुबंध है और हम उनके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कार्तिक ने क्रिकेट में वापसी और एसए20 में खेलने पर कहा कि मेरे पास दक्षिण अफ्रीका में खेलने और वहां जाने की बहुत सारी यादें हैं और जब यह अवसर मेरे सामने आया, तो मैं मना नहीं कर सका, क्योंकि क्योंकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापस आना और रॉयल्स के साथ इस अविश्वसनीय प्रतियोगिता को जीतना कितना खास होगा। उन्होंने कहा कि भले ही मुझे आईपीएल में रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करने का मौका न मिला, लेकिन मैं पार्ल रॉयल्स टीम में शामिल होकर बहुत खुश हूं, जिसमें बहुत अनुभव, गुणवत्ता और क्षमता है। मैं निश्चित रूप से समूह में शामिल होने और एक रोमांचक सीजन में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।

कार्तिक का आईपीएल करियर कई टीमों के साथ लंबा और शानदार रहा है, लेकिन उन्होंने कभी राजस्थान रॉयल्स के लिए नहीं खेला। कार्तिक सफेद गेंद के क्रिकेट में एक फिनिशर के रूप में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं। उनका भारतीय टीम के लिए एक शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर रहा है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए 26 टेस्ट मैच, 94 वनडे और 60 टी20 मैच खेले हैं। बल्लेबाज ने टेस्ट मैचों में 1025 रन, वनडे फॉर्मेट में 73.24 की स्ट्राइक रेट और 30.21 की औसत से 1752 रन और टी20 मैचों में 142.62 की स्ट्राइक रेट और 26.38 की औसत से 686 रन बनाए। दिनेश कार्तिक ने 257 आईपीएल मैचों में 135.36 के स्ट्राइक और 26.32 की औसत से 4842 रन बनाए हैं। ओवरऑल कार्तिक ने टी20 प्रारूप में विभिन्न टीमों से खेलते हुए 401 मैचों में 136.96 की स्ट्राइक रेट से 7407 रन बनाए हैं।

आज तीसरा वन-डे जीतकर सीरीज बराबर करने उतरेगी टीम इंडिया

कोलंबो।

भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार को मेजबान श्रीलंका को कराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को बराबरी पर लाने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। ऐसे में अगर वह ये मैच नहीं जीत पाती है। तो सीरीज हार जाएगी।

सीरीज का पहला मैच टाई रहा था जबकि दूसरा श्रीलंका ने जीता है। ऐसे में तीसरा मैच अगर टाई भी रहता है तो भारतीय टीम सीरीज हार जाएगी। ऐसे मे भारतीय टीम के ऊपर श्रीलंका में सीरीज हार का खतरा मंडरा रहा है। इससे पहले भारतीय टीम को 1997 में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम बार एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। तब अर्जुन रणतुंगा की अगुवाई वाली टीम ने भारतीय टीम को हराया था। उसके बाद से ही भारत और श्रीलंका के बीच तब से 11 एकदिवसीय सीरीज हुई हैं और सभी में भारतीय टीम जीती है।

भारत के पास इस सीरीज को जीतने का अवसर अब नहीं है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी एकदिवसीय सीरीज में अच्छी नहीं रही है। विशेषकर मध्यक्र रन नहीं बना पाया है। इसी कारण टीम इस प्रकार के हालातों में फंसी है। यहां के आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिल रही है जिसपर कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अभी तक केवल 38 रन ही बना पाए हैं। इससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

अब वह इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। कोहली को रोहित से मिली आक्रामक शुरुआत को ही आगे बढ़ाने की जरूरत है पर अभी तक वह इसमें विफल रहे हैं। उन्हें संघर्षरत मध्यक्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्हें और अन्य बल्लेबाजों को रोहित की तरह स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा।

श्रीलंकाई स्पिनरों का सामना करने का तरीका अब तक भारतीय बल्लेबाज नहीं सीख पाये हैं। यहां तक कि स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे पिछले मैच में जैफ्री वांडरसे की आसान लेग स्पिन को भी नहीं समझ पाए। वापसी करते हुए श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी अभी तक असफल रहे हैं। केवल रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में 64 रन बनाये थे।

भारत के अन्य बल्लेबाजों को भी उन्हीं की तरह खेलना होगा। भारत इस मैच में शिवम की जगह रियान पराग को अवसर दे सकता है जो स्पिनरों को अच्छी तरह से खेलते हैं।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11 प्लेयर

भारत - शुभमन गिल, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज

श्रीलंका - पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका (कप्तान), कामिंडु मेंडिस, जेनिथ लियानाज, डुनिथ वेलालेज, अकिला धनंजय, असिथा फर्नांडो, जेफरी वेंडरसे